जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा

विश्व मृदा दिवस

दिनांक 5-12-2022 को महाविद्यालय वनस्पतिशास्त्र विभाग जे. सी. बोस स्नातकोत्तर परिषद के तत्वावधान मे विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को मृदा संबंधित जानकारी साझा करते हुए सह आचार्य डॉ पूनम जायसवाल ने बताया कि वर्तमान मे धरती पर एक तिहाई यानी कि 33%मिट्टी खराब हो चुकी है। फूड एंड एग्रीकल्चर ओरगेनाईजेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार यदि यह प्रक्रिया इसी गति से चलती रही तो 2050 तक 90% मृदा खराब हो चुकी होगी। मृदा का संबंध सीधा खाद्यान उत्पादन से है, क्योंकि 95% खाद्यान मृदा से ही प्राप्त होते हैं इसलिए यदि मिट्टी के गुण नष्ट होते हैं तो बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराना मुश्किल हो जाएगा जबकि 2050 तक 60%अन्न उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता होगी।

विभाग प्रभारी डॉ शुचिता जैन ने छात्राओं को मृदा के भौतिक व रसायनिक गुणों के बारे में बताते हुए कहा कि मिट्टी स्वयं ही कई जीवों का घर है।जब मिट्टी मे अत्यधिक रसायनिक खाद व कीटनाशक डाले जाते है तो मिट्टी के गुण खराब होते हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय भार्गव ने छात्राओं को मोटिवेट करते हुए कहा कि विश्व मे कई जगह मृदा संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं अतः इस दिशा मे हमारा भी कुछ योगदान होना चाहिए।

इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसका संचालन सहायक आचार्य डॉ नीतिका सिंह ने किया।

अंत मे अनीता मालव ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ ममता चौधरी व छात्रसंघ पदाधिकारी अंजलि मीणा, महिमा पालीवाल, मुस्कान और सेलिन पहाड़िया भी उपस्थित रहे और अपने विचार साझा किया।

अत्यधिक रसायन खाद से खराब हो रही मिट्टी की सेहत

नवज्योति/कोटा। जेडीबी साइंस कॉलेज में मृद्धा दिवस पर के मौके पर सोमवार को वनस्पतिशास्त्र विभाग जेसी बोस स्नातकोत्तर परिषद के तत्वावधान में जागरूकता कैम्प लगाया गया। छात्राओं को मृदा संबंधित जानकारी देते हुए सह आचार्य डॉ पूनम जायसवाल ने बताया कि वर्तमान में धरती पर एक तिहाई मिट्टी खराब हो चुकी है। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार यदि यह प्रक्रिया इसी गति से चलती रही तो 2050 तक 90 प्रतिशत मिट्टी खराब हो चुकी होगी। मृदा का संबंध सीधा खाद्यान उत्पादन से है, क्योंकि 95 प्रतिशत खाद्यान मृदा से ही प्राप्त होते हैं। ऐसे में मिट्टी के गुण नष्ट होते हैं तो बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराना मुश्किल हो जाएगा। जबकि 2050 तक 60प्रतिशत अन्न उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता होगी। विभाग प्रभारी डॉ शुचिता जैन ने छात्राओं को मृदा के भौतिक व रसायनिक गुणों के

बारे में बताते हुए कहा, मिट्टी स्वयं ही कई जीवों का घर है। जब मिट्टी में अत्यधिक रसायनिक खाद व कीटनाशक डाले जाते हैं तो मिट्टी के गुण खराब हो जाते हैं। प्राचार्य डॉ संजय भार्गव ने कहा कि विश्व में कई जगह मृदा संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं अतः इस दिशा में हमारा भी योगदान होना चाहिए। इस अवसर पर प्रशनोत्तरी प्रतियोगिता हुई, जिसका संचालन सहायक आचार्य डॉ नीतिका सिंह ने किया। इस अवसर पर छात्रसंघ पदाधिकारी अंजलि मीणा, महिमा पालीवाल, मुस्कान और सेलिन पहाड़िया भी उपस्थित रहे।

धरती पर एक तिहाई मिट्टी खराब हो चुकी

कोटा @ पत्रिका. जेडीबी कॉलेज में वनस्पति शास्त्र विभाग जे.सी. बोस स्नातकोत्तर परिषद की ओर से सोमवार को विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर सह आचार्य डॉ. पूनम जायसवाल ने बताया कि वर्तमान में धरती पर एक तिहाई यानी कि 33 प्रतिशत मिट्टी खराब हो चुकी है। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑरगेनाइजेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया इसी गति से चलती रही तो 2050 तक 90 प्रतिशत मृदा खराब हो चुकी होगी। मृदा का संबंध सीधा खाद्यान उत्पादन से है। 95 प्रतिशत खाद्यान मृदा से ही प्राप्त होते हैं। इसलिए यदि मिट्टी के गुण नष्ट होते हैं तो बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराना मुश्किल हो जाएगा। जबकि 2050 तक 60 प्रतिशत अन्न उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता होगी। विभाग प्रभारी डॉ. शुचिता जैन ने कहा कि मिट्टी स्वयं ही कई जीवों का घर है। जब मिट्टी में अत्यधिक रसायनिक खाद व कीटनाशक डाले जाते है तो मिट्टी के गुण खराब होते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय भार्गव ने कहा कि विश्व में कई जगह मृदा संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में हमारा भी कुछ योगदान होना चाहिए। इस अवसर पर प्रशनोत्तरी प्रतियोगिता रखी गई थी। संचालन सहायक आचार्य डॉ. नीतिका सिंह व अनीता मालव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर छात्रसंघ पदाधिकारी अंजलि मीणा, महिमा पालीवाल, मुस्कान और सेलिन पहाड़िया भी उपस्थित रहे।

जेडीबी कॉलेज में विश्व मृदा दिवस पर कार्यक्रम

संदेश न्यूज। कोटा. महाविद्यालय वनस्पतिशास्त्र विभाग जे.सी.बोस स्नातकोत्तर परिषद के तत्वावधान में विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया। छात्राओं को मृदा संबंधित जानकारी साझा करते हुए सह आचार्य डॉ पूनम जायसवाल ने बताया कि वर्तमान मे धरती पर एक तिहाई यानी कि 33 प्रतिशत मिट्टी खराब हो चुकी है। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार यदि यह प्रक्रिया इसी गति से चलती रही तो 2050 तक 90% मृदा खराब हो चुकी होगी। मृदा का संबंध सीधा खाद्यान उत्पादन से है, क्योंकि 95 प्रतिशत खाद्यान मृदा से ही प्राप्त होते हैं इसलिए यदि मिट्टी के गुण नष्ट होते हैं तो बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराना मुश्किल हो जाएगा। विभाग प्रभारी डॉ शुचिता जैन ने छात्राओं को मृदा के भौतिक व रसायनिक गुणों के बारे में बताते हुए कहा कि मिट्टी स्वयं ही कई जीवों का घर है। जब मिट्टी मे अत्यधिक रसायनिक खाद व कीटनाशक डाले जाते है तो मिट्टी के गुण खराब होते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय भार्गव ने छात्राओं को मोटिवेट करते हुए कहा कि विश्व में कई जगह मृदा संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। संचालन सहायक आचार्य डॉ नीतिका सिंह ने किया। अनीता मालव ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्राचार्य
[illegible] कन्या महाविद्यालय, कोटा